भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 731
दिनांक 07 फरवरी, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

केरल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

731. **श्री कोडिकुन्नील सुरेश:**

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वित्त वर्ष 2024-25 में चल रही और पूरी हो चुकी परियोजनाओं की स्थिति सहित केरल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति का जिलावार ब्यौरा क्या है;
(ख) वित्त वर्ष 2024-25 में केरल में एनएचएम के तहत आवंटित कुल धनराशि कितनी है तथा इसमें केंद्र और राज्य का हिस्सा कितना है;
(ग) वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान केरल में एनएचएम के तहत प्रतिवेदित भौतिक उपलब्धियां क्या हैं;
(घ) केरल में एनएचएम के तहत मानव संसाधन की स्वीकृत संख्या और वर्तमान में अनुबंध के आधार पर विभिन्न श्रेणियों के तहत तैनात मानव संसाधन की संख्या का ब्यौरा क्या है; और
(ङ) केरल में एनएचएम के तहत परियोजना कार्यान्वयन और निधि उपयोग में किसी भी देरी या अंतराल को दूर करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) सार्वजनिक स्वास्थ्य और अस्पताल राज्य का विषय है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) में उनके द्वारा प्रस्तुत आवश्यकताओं के आधार पर उनकी स्वास्थ्य परिचर्या प्रणालियों को सुदृढ़ करने के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है। भारत सरकार मानदंडों और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार कार्यवाही के रिकॉर्ड (आरओपी) के रूप में प्रस्ताव के लिए अनुमोदन प्रदान करती है। एनएचएम आरसीएच, स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ीकरण, रोग नियंत्रण कार्यक्रमों और बुनियादी ढांचे के रखरखाव के तहत पहलों/परियोजनाओं का समर्थन करता है। केरल राज्य के लिए स्वीकृत विभिन्न स्वास्थ्य परियोजनाओं का विवरण सार्वजनिक डोमेन https://nhm.gov.in/index4.php?lang=1&level=0&linkid=53&lid=66 में उपलब्ध है:

(ख) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एक केंद्र प्रायोजित योजना है, केंद्र-राज्य के बीच वित्तपोषण पैटर्न निम्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को छोड़कर सभी राज्यों के लिए 60:40 है,

• 8 पूर्वोत्तर राज्यों और 3 हिमालयी राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों (हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र) - वित्तपोषण पैटर्न 90:10 है

• विधानमंडल विहीन संघ राज्य क्षेत्र - 100% केंद्र द्वारा वित्तपोषित

वित्तीय वर्ष 2024-25 में केरल राज्य के लिए एनएचएम के अंतर्गत कुल 913.25 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

(ग) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) का उद्देश्य लोगों की जरूरतों के प्रति जवाबदेह और उत्तरदायी, न्यायसंगत, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच प्रदान करना है, जिसमें स्वास्थ्य के अपेक्षाकृत अधिक व्यापक सामाजिक निर्धारकों को हल करने के लिए प्रभावी अंतर-क्षेत्रीय सम्मिलित कार्रवाई शामिल है। केरल के स्वास्थ्य संकेतकों की स्थिति में प्रमुख उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं:

- केरल में मातृ मृत्यु दर में तीव्र गिरावट दर्ज की गई है, जो केरल में 19 (एसआरएस 2018-20) है, जबकि भारत में यह 97 (एसआरएस 2018-20) है।
- राज्य ने कुल प्रजनन दर (टीएफआर) को घटाकर 1.8 (भारत 2.0) करके जनसंख्या स्थिरीकरण उपायों में एसडीजी लक्ष्य हासिल किया है। (स्रोत: एनएफएचएस-5, 2019-21)
- केरल में शिशु मृत्यु दर 6 (एसआरएस 2020) है, जबकि भारत में यह 28 (एसआरएस 2020) है।
- पूर्ण टीकाकरण कवरेज का प्रतिशत 76.2% कवरेज है। (स्रोत: एचएमआईएस, जनवरी 2025)

(घ) जून, 2024 की स्थिति के अनुसार स्वास्थ्य के लिए कुल मानव संसाधन (एचआरएच) 8,218 है (एनएचएम एमआईएस के अनुसार) ।

(ङ) चल रहे कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा के लिए वार्षिक आधार पर राष्ट्रीय कार्यक्रम समन्वय समिति की बैठक आयोजित की जाती है। सार्वजनिक स्वास्थ्य के तहत विभिन्न डोमेन के विशेषज्ञों को शामिल करते हुए साझा समीक्षा मिशन के रूप में आवधिक समीक्षा की जाती है। निरंतर निगरानी के लिए राज्यों के साथ नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की जाती हैं। एनएचएम के कामकाज का नियमित रूप से अन्य बातों के साथ -साथ, बाहरी सर्वेक्षणों जैसे राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) और नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) के माध्यम से मूल्यांकन किया जाता है। स्वास्थ्य निगरानी सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) सुविधा और समुदाय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों/योजनाओं की सेवा प्रदायगी की निगरानी और समीक्षा करती है। वास्तविक और वित्तीय प्रगति का मानचित्रण सुनिश्चित करने के लिए एनएचएम-प्रगति निगरानी प्रणाली (पीएमएस) पोर्टल बनाया गया है। कार्यक्रम घटकों की प्रगति की निगरानी के लिए विभिन्न पोर्टल जैसे आरसीएच पोर्टल, एएएम पोर्टल, एनसीडी पोर्टल आदि का भी उपयोग किया जाता है।

*****